‘ सृजन’ (हिंदी रचनात्मक लेखन समिति)
रिपोर्ट 2024

संयोजक : प्रो. सुषमा सहरावत

छात्रा अध्यक्ष: नेहा भारती, सुष्मिता रॉय

‘सृजन’ कमला नेहरू कॉलेज की हिन्दी रचनात्मक लेखन समिति है यह समिति छात्राओं की रचनात्मक प्रतिभा को निखारने के लिए निरंतर प्रयासरत रहती है इस समिति द्वारा वर्षभर में विविध प्रतियोगिताओं एवं कार्यशालाओं का आयोजन किया जाता है इनमें प्रतिभागिता कर छात्राएं हिंदी साहित्य की विविध विधाओं जैसे कविता, कहानी, विज्ञापन, नारा लेखन आदि के माध्यम से अपने विचार इस व्यापक पटल द्वारा प्रस्तुत कर सकती हैं।

'सृजन' द्वारा **28 फरवरी 2024** को **अंतः महाविद्यालय विज्ञापन लेखन प्रतियोगिता** का आयोजित किया गया। समिति की संयोजक प्रो. सुषमा सहरावत द्वारा प्रतियोगिता को आरंभ किया गया। प्रतियोगिता का **विषय सामाजिक जन जागरुकता हेतु विज्ञापन** रखा गया था जिसमें महाविद्यालय के विभिन्न विभागों की अनेक छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल के रूप में डॉ सूर्यकांत यादव (अंग्रेजी विभाग) और डॉ वैशाली नरूला (राजनीतिक विज्ञान विभाग) उपस्थित थे तथा उन्होंने छात्राओं को विज्ञापन निर्माण में सहायक महत्वपूर्ण बिंदुओं पर प्रकाश डाला और बेहतर विज्ञापन बनाने हेतु दिशा निर्देश दिए। साथ ही उनके द्वारा छात्राओं का उत्साहवर्द्धन भी किया गया। तत्पश्चात उनके द्वारा इस प्रतियोगिता के परिणाम घोषित किए गए। कार्यक्रम में सृजन समिति की शिक्षक सदस्य डॉ. नीरु कुमारी और डॉ. अनुराधा गुप्ता उपस्थित रही। प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार: इशिका, हिंदी विशेष, तृतीय वर्ष, द्वितीय पुरस्कार: दीक्षा पटेल, अर्थशास्त्र विशेष, प्रथम वर्ष और तृतीय पुरस्कार इशिका, हिंदी विशेष, प्रथम वर्ष ने प्राप्त किया। पुरस्कारस्वरूप क्रमशः 500,300 तथा 200 रुपये की राशि और प्रमाण पत्र दिए गए। प्रतियोगिता में दो प्रोत्साहन पुरस्कार भी दिए गए। प्रथम प्रोत्साहन प्रीति मोदी, बीए प्रोग्राम, प्रथम वर्ष तथा द्वितीय प्रोत्साहन आकृति, हिंदी विशेष, प्रथम वर्ष की छात्राओ ने प्राप्त किया। कार्यक्रम का संचालन सृजन समिति की छात्रा सचिव आस्था रानी ने किया। 'सृजन' समिति की समस्त छात्रा सदस्यों ने कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना योगदान दिया। अंततः समिति संयोजक प्रो. सुषमा सहरावत द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

'सृजन' द्वारा **11 मई 2024** को **'हिंदी कथेतर विधाएं (विशेष सन्दर्भ: डायरी, संस्मरण,यात्रा वृत्तांत) विषय पर अन्तर्महाविद्यालय कार्यशाला एवं प्रतियोगिता** का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विभिन्न महाविद्यालयों के अनेक विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मुख्य वक्ता एवं निर्णायक के रूप में जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के पूर्व डीन छात्र एवं भारतीय भाषा केंद्र के प्रोफेसर प्रो.सुधीर प्रताप सिंह उपस्थित थे। सह निर्णायक के रूप में कमला नेहरू कॉलेज के हिंदी विभाग की प्राध्यापिका डॉ. सीमा महेश्वरी उपस्थित थी। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन से किया गया तथा समिति की छात्रा सदस्य गौरी , मुस्कान और नीलम द्वारा मंगलाचरण के रूप में सरस्वती वंदना का गायन किया गया। समिति की संयोजक प्रो. सुषमा सहरावत ने कार्यशाला के विषय से सबको अवगत कराया और सभी प्रतिभागियों को शुभकानाएं दी। इसके बाद उन्होंने मुख्य अतिथि का अभिनंदन करते हुए उनका स्वागत किया। तत्पश्चात उनके द्वारा मुख्य अतिथि एवं सह निर्णायक का विधिवत स्वागत करते हुए उन्हें उपहार देकर सम्मानित किया गया। कार्यशाला के विषय पर प्रकाश डालते हुए वक्ता एवं प्रस्तुतकर्ता प्रो. सुधीर प्रताप सिंह ने सर्वप्रथम डायरी लेखन की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए उसकी प्रासंगिकता और महत्व को बताया। उन्होंने आधुनिक कथा विधाओ और कथेतर विधाओं के मध्य अंतर को सहज भाषा में विविध उदाहरणों सहित स्पष्ट किया। साथ ही उन्होंने हिंदी का कथेतर विधाओं के बदलते स्वरूप से विद्यार्थियों को अवगत कराते हुए अपने विचार प्रस्तुत किए। उन्होंने डायरी लेखन के विषय मे कुछ महत्वपूर्ण बिंदुओं के बारे में बताते हुए कहा कि डायरी लेखन आत्म-साक्षात्कार है। डायरी स्वयं के व्यक्तिगत जीवन में घटी हुई घटना है। डायरी की शैली जटिल ना होकर स्वयं की भाषा है। डायरी में पाठक या श्रोता नहीं होता, डायरी में स्वयं को संबोधित किया जाता है। उन्होंने डायरी और आत्मकथा के बीच अंतर बताते हुए उन्होंने कहा कि आत्मकथा स्वयं की पैरवी करती है। संस्मरण और यात्रा वृतांत की रचनात्मकता पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने इनकी विशेष उपयोगिता बताई तथा इनके लेखन की बारीकियों से प्रतिभागियों को अवगत कराते हुए भविष्य की शुभकामनाएं दी। सृजन समिति की छात्रा अध्यक्ष नेहा भारती ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए प्रतिभागियों को प्रतियोगिता के नियमों से अवगत कराया। कार्यक्रम का सह संचालन समिति की छात्रा सचिव आस्था रानी ने किया। प्रतियोगिता अत्यंत सफल रही और प्रतिभागियों ने उत्साह पूर्वक इसमें सहभागिता करते हुए अपनी प्रतिभा को दिखाया। परिणाम इस प्रकार रहे- प्रथम पुरस्कार: प्रीति मोदी, बीए(प्रोग्राम), कमला नेहरू कॉलेज, द्वितीय पुरस्कार: आदित्य गौतम, बीए(प्रोग्राम), शहीद भगत सिंह कॉलेज, तृतीय पुरस्कार: कंचन तिवारी, दर्शनशास्त्र (विशेष),कमला नेहरू कॉलेज। पुरस्कार स्वरूप सभी को नगद राशि तथा प्रमाण पत्र वितरित किए गए जिनकी राशि क्रमशः 1200,1000 और 800 थी। प्रतियोगिता में दो प्रोत्साहन पुरस्कार भी दिए गए जिन्हें प्राप्त किया- सौरभ, बीए (प्रोग्राम), मोतीलाल नेहरू कॉलेज, तथा अंजली चौधरी, बीकॉम (ऑनर्स), कमला नेहरू कॉलेज। कार्यशाला अत्यंत सफल रही और सभी ने उत्साह पूर्वक इसमें सहभागिता की कार्यक्रम का समापन समिति संयोजक प्रो. सुषमा सहरावत द्वारा मुख्य अतिथि, निर्णायक मंडल शिक्षक सदस्यों, छात्रा सदस्यों एवं उपस्थित सभी प्रतिभागियों के धन्यवाद ज्ञापन द्वारा किया गया।

नए सत्र के प्रारम्भ होने पर कमला नेहरू कॉलेज की हिंदी रचनात्मक लेखन समिति 'सृजन' द्वारा प्रथम वर्ष की छात्राओं के लिए **11 सितम्बर 2024 को ओरिएंटेशन कार्यक्रम** आयोजित किया गया जिसमें प्रथम एवं द्वितीय वर्ष की छात्राओं ने भाग लिया। कार्यक्रम में नव समिति के गठन पर विचार किया गया और समिति की कार्य प्रणाली एवं आयोजनों से संबंधित छात्राओं के प्रश्नों एवं जिज्ञासाओं का समाधान किया गया।

कमला नेहरू कॉलेज की हिंदी रचनात्मक लेखन समिति 'सृजन' द्वारा **25 सितंबर 2024 को अंतः महाविद्यालय नवांगतुक नारा लेखन प्रतियोगिता** का आयोजित किया गया। प्रतियोगिता का विषय पर्यावरण तथा विकसित भारत हेतु नारा लेखन रखा गया था जिनमें महाविद्यालय के विभिन्न विभागों की अनेक छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल के रूप में डॉ. कांति मीणा (हिंदी विभाग) और डॉ. मोनिका चुटानी (राजनीति विज्ञान विभाग) उपस्थित थे। प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार अन्विता सचिन महाजन, अर्थशास्त्र विशेष की छात्रा ने प्राप्त किया। द्वितीय पुरस्कार प्रीति कश्यप , हिंदी विशेष की छात्रा ने तथा तृतीय पुरस्कार तनीषा त्यागी, बीए प्रोग्राम की छात्रा ने प्राप्त किया। प्रतियोगिता में दो प्रोत्साहन पुरस्कार भी दिए गए जिन्हें साक्षी सिंह, बीए प्रोग्राम और वैष्णवी कुणाल, बीए प्रोग्राम की छात्राओं ने प्राप्त किया। कार्यक्रम का संचालन सृजन समिति की छात्रा अध्यक्ष सुष्मिता रॉय ने किया। समिति की समस्त छात्रा सदस्यों ने कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना योगदान दिया।